साहित्य संहिता

Available at http://www.sahityasamhita.org/

ISSN- 2454-2695
Volume 03 Issue 08
August 2017

पतझड़ के मौसम में तुझको

सीमा कुमारी

पतझड़ के मौसम में तुझको
कौन से फुल का तोहफा भेजूं
बाग उपवन खली है
पर मन के आँगन में हरयाली है
आखों में दुआओं का शबनम हैं
वे क्या है हमारे लिए वो नहीं जानते
फिर भी हमरे सनम है
धरकन की कलम से
सांसों की पन्नों पे
नगमा वफ़ा का लिख रहा हूँ
इसे ख़त नहीं मेरी जान
इसे समझना
पयार का फरमान
शशिकांत निशांत शर्मा 'साहिल'